यूपी-वियतनाम के बीच निवेश की अपार संभावनाएं: सहगल

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

भारत और वियतनाम के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों को सक्षम बनाने व निवेश को बढ़ावा देने के लिए इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) और एम्बेसी ऑफ वियतनाम ने गुरुवार को 'भारत-वियतनाम व्यापार और निवेश कनेक्ट पर चर्चा' का आयोजन किया गया।

इस मौके पर अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने कहा कि हमने अपनी नीतियों और पारिस्थितिकी तंत्र में कई बदलाव किये हैं। हम वियतनाम के साथ सहभागिता हेतु पूर्ण सहयोग कर सकते हैं और एक-दूसरे की ताकत का लाभ उठा सकते हैं, क्योंकि वियतनाम इलेक्ट्रॉनिक्स में अच्छा है और यूपी कपड़ा व कृषि आधारित उद्योग में अच्छा है। हमारे पास ओडीओपी के तहत 60 उत्पाद हैं, जो बड़ी संख्या में अन्य देशों में निर्यात किये जाते हैं। वहीं भारत में एम्बेसडर ऑफ वियतनाम सैन चाऊ ने कहा कि वियतनाम हाल ही में अपनी आर्थिक विकास दर को 03 प्रतिशत से बढ़ाया है, जोकि अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए एक अच्छा संकेत है। भारतीय कंपनियां अपनी राजनीतिक स्थिरता के कारण वियतनाम में आसानी से निवेश कर सकती हैं। ऐसे क्षेत्र जिनमें वियतनाम भारत से निवेश की तलाश में हैं।

आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कुमार ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में वियतनाम के बढ़ते महत्व के कारण भारत-वियतनाम संबंधों को और मजबूत किया जा सकता है। भारतीय उद्योग वियतनाम में ऊर्जा, खनिज अन्वेषण, एग्रोकेमिकल्स, चीनी, चाय, कॉफी निर्माण, आईटी और ऑटो घटकों में व्यवसाय स्थापित करने की संभावनाओं की तलाश कर सकते हैं।